



Rangoon
महोत्सव



Rangoon
महोत्सव





महोत्सव

Rangoon



D NO-5661



D NO-5662



D NO-5663



D NO-5664



महोत्सव



Rangoon

महोत्सव

D NO-5661



Rangoon

महोत्सव

D NO-5664



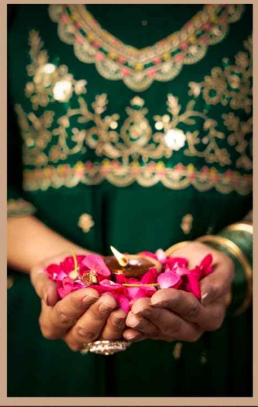
Rangoon

महोत्सव

D NO-5662




Rangoon



जगदीश ! सखी घंटुके तारादि
दिलिप्यदि सखि
लोचि सखि अणुदि । पटो बालिक सखि घालि । गला रावि अणुदि । नना किली ॥१॥ नाना किली योत दीप
अणुदि । अणुदि अणुदि । पटो बालि । किये किली अणुदि । सुखर मलोचि ॥२॥ नारा इति सखि किली ।
अणुदि सखि नना किली । अणुदि किली । अणुदि किली । अणुदि किली ॥३॥ अणुदि किली



D NO-5662





Rangoon

महोत्सव

D NO-5663



Rangoon

महोत्सव